भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **760**
गुरुवार, 21 जुलाई, 2022 / 30 आषाढ़, 1944 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले विमानपत्तन

760. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री राम कृपाल यादव:
श्री मनोज तिवारी:
श्री रवि किशन:
श्री रविन्दर कुशवाहा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का वर्ष 2024 के अंत तक देश के अधिकांश विमानपत्तनों को शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले बनाने और वर्ष 2030 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई परामर्श किया है या सभी निजी विमानपत्तनों और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को पत्र लिखा है:

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में हितधारकों की विमानपत्तन-वार क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) क्या सरकार ने कार्बन उत्सर्जन से मुक्त बनाने और निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए निजी विमानपत्तनों और एएआई को कोई वित्तीय सहायता दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

उत्तर

(क) से (घ): हां, हां। नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने कार्बन तटस्थता की दिशा में काम करने और देश के ग्रीन हाउस गैसों उत्सर्जन लक्ष्यों की तर्ज पर भारतीय हवाईअड्डों पर शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने

के लिए एक पहल की है। इस उद्देश्य के लिए, नागर विमानन मंत्रालय ने अनुसूचित परिचालन वाले सभी ब्राउनफील्ड हवाईअड्डा प्रचालकों को और आगामी ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकासकर्ताओं को पत्र लिखकर, उन्हें कार्बन तटस्थता और निवल शून्य स्थिति प्राप्त करने की दिशा में काम करने की सलाह दी है, ताकि पैनलयुक्त सत्यापनकर्ताओं के माध्यम से एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) / आईएसओ 14064 और इस संबंध में मान्यता प्राप्त की जा सके और कार्बन शमन उपायों के साथ-साथ कार्बन प्रबंधन योजनाओं को अपनाया जा सके।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अपने निर्धारित परिचालन हवाईअड्डों के लिए योजना तैयार की है और मौजूदा और आगामी हवाईअड्डा परियोजनाओं के लिए विभिन्न उपाय किए हैं जैसे ऊर्जा गहन डेटा प्रकाशन, ऊर्जा तीव्रता को कम करना आदि। इसके अलावा, विमान यातायात नियंत्रकों को कार्बन तटस्थता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, एक प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाया गया है।

गैर-भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण हवाईअड्डों ने भी, नागर विमानन मंत्रालय की पहल के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई है। जबकि कोचीन हवाईअड्डा पहले से ही सौर ऊर्जा पर काम करने वाला पहला हरित हवाईअड्डा था, अन्य गैर- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण हवाईअड्डों जैसे अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, तिरुवनंतपुरम, नासिक, सिंधुदुर्ग, कन्नूर, दुर्गापुर आदि ने भी शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अंतिम लक्ष्य के साथ अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु हवाईअड्डों ने भी कार्बन न्यूट्रल होने का दर्जा प्राप्त कर लिया है। ;

(ड.): पर्यावरणीय स्थिरता उपायों पर व्यय सहित एक हवाईअड्डा परियोजना के वित्तपोषण की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा प्रचालक/विकासकर्ता की होती है।

****